

**अभिशून्यन** पुं. (तत्.) 1. शून्य करना 2. रद्द या व्यर्थ करना, बातिल करना।

**अभिशून्यीकृत** वि. (तत्.) 1. जो शून्य कर दिया गया हो 2. जो रद्द किया गया हो, बातिल किया हुआ।

**अभिभ्रुति** स्त्री. (तत्.) (स्वन परिवर्तन का एक प्रकार) अंत्य प्रत्यय के अग्रस्वर होने के कारण मूल शब्द के स्वर का अग्रस्वर में परिवर्तन, उदा. जर्मनी में gesi का gisi में परिवर्तन उससे आधुनिक अंग्रेजी में geese हो गया।

**अभिषंग** पुं. (तत्.) 1. (अनपेक्षित) आसक्ति 2. किसी बात या कार्य में साथ होना 3. शपथ, सौगंध 4. आलिंगन, गले लगाना।

**अभिषदीय रूपलेखन** पुं. (तत्.) वह विशेष लेख जो किसी अभिषद् की ओर से प्रकाश के लिए भेजा गया हो या प्रकाशित हो। syndicated feature

**अभिषद्** स्त्री. (तत्.) किसी वर्ग-विशेष के सभी प्रतिनिधियों का निकाय, जो उनके हितों की रक्षा करता है syndicate

**अभिषिक्त** वि. (तत्.) 1. जिसका अभिषेक हुआ हो 2. मंगल या बाधा-शांति के लिए जिस पर कुश से मंत्रपूत जल छिड़का गया हो।

**अभिषेक** पुं. (तत्.) मंत्रपूत जल छिड़क कर किया जाने वाला राजतिलक।

**अभिषेक्ता** पुं. (तत्.) अभिषेक करनेवाला, अभिषेककर्त्ता।

**अभिषेचन** पुं. (तत्.) 1. जल का छिड़काव, सिंचन 2. राज्याभिषेक के लिए पवित्र जल का सिंचन।

**अभिषेचनीय** वि. (तत्.) अभिषेक के योग्य, राज्यारोहण योग्य।

**अभिषेच्य** वि. (तत्.) दे. अभिषेचनीय।

**अभिष्यंद** पुं. (तत्.) 1. साव 2. एक प्रकार का अक्षिरोग, आँख का रिसना, या लाल हो जाना।

**अभिसंग** पुं. (तत्.) 1. (जैन) आसक्ति, दुःसंग 2. घनिष्ठ संबंध, प्रेम, अनुराग।

**अभिसंताप** पुं. (तत्.) 1. पीड़ा 2. संघर्ष; युद्ध।

**अभिसंदोह** पुं. (तत्.) अदला-बदली, विनिमय 2. पुरुष लिंग।

**अभिसंध** पुं. (तत्.) धोखा देनेवाला, ठग, वंचक।

**अभिसंधान** पुं. (तत्.) 1. वंचना, धोखा 2. लक्ष्य।

**अभिसंधि** स्त्री. (तत्.) किसी को हानि पहुंचाने के लिए मिलकर रचा गया कुचक्र, षड्यंत्र।

**अभिसंधिता** स्त्री. (तत्.) अपने प्रियतम का तिरस्कार कर पश्चाताप करने वाली नायिका/स्त्री नाट्य शा. नायिका का एक भेद, कलहांतरिता नायिका।

**अभिसंस्कार** स्त्री. (तत्.) 1. सूझ, विचार 2. विकास, परिष्कार।

**अभिसमय** पुं. (तत्.) 1. किसी विषय पर संबंधित पक्षों (राज्यों, देशों) का समझौता या औपचारिक करार convention 2. कोई अलिखित प्रथा, परिपाटी या परंपरा।

**अभिसर्ग** पुं. (तत्.) 1. निर्माण, रचना 2. सृष्टि।

**अभिसाक्षी** पुं. (तत्.) विधि. शपथपूर्वक साक्षी के रूप में प्रस्तुत होने वाला व्यक्ति deponent

**अभिसार** पुं. (तत्.) प्रियतम से मिलने के लिए निश्चित स्थान पर जाना 2. प्रेमी-प्रेमिका मिलन स्थल, संकेत स्थल।

**अभिसारक** वि. (तत्.) 1. अभिसार करनेवाला 2. हमराही।

**अभिसारिका** स्त्री. (तत्.) प्रियतम से मिलने के लिए संकेत स्थल पर गुप्त रूप से जाने वाली नायिका।

**अभिसारी** वि. (तत्.) 1. प्रियतम से मिलने पर संकेत स्थल पर जानेवाला 2. साधक 3. किसी एक बिंदु या स्थान की ओर जाने वाली या वहां पर मिलने वाली।

**अभिसारी श्रेणी** स्त्री. (तत्.) गणि. ऐसी श्रेणी जिसमें पदों की संख्या अनंत होने पर भी उन पदों का योगफल अनंत न हो convergent series